ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -2

पंच परमेश्वर

PPT-1

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

लेखक परिचय-

भारत के उपन्यास सम्राट प्रेमचंद का जन्म वाराणसी से लगभग चार मील दूर,लमही नाम के गांव में ३१ जुलाई,१८८०को हुआ। जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रेमचंद ने मैट्रिक पास किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी।वह बहुमुखी प्रतिभा संपन्न साहित्यकार थे। ८अक्टूबर,१९३६ को उनका देहावसान हुआ।उनका पुरा नाम धनपत राय था परन्तु वह प्रेमचंद के नाम से साहित्य जगत में प्रशिद्ध हुए।

पाठ प्रवेश-

शशांक बाबु के दो बच्चे थे.....।रामु बहुत शांत स्वभाव का और मुना दुष्ट स्वभाव का था।एक दिन पिताजी दोनो को लेकर बगिचे में घुम रहे थे .....।मुना बगिचे में बिछू बूटी को देख उसे उखाड़कर बाहार फैंक दिया।यह देख शशांक बाबु उसे इस प्रकार का व्यवहार के कारण पीछे तो उसने इस पेड़ कि कोई आवश्यकता नहीं है कहा.....। उसके बात सुनकर शशांक बाबु उसे समझाते हैं कि मनुष्य भी अगर अच्छे गुण,नीतिवान, विवेकवान परिश्रमी होगा तो सब उसे पसंद करेंगे।उसका जीवन सुख मय होगा साथ ही साथ हमारा देश भी एक महान देश बन पाएगा.....।

संबंधित प्रश्न-

1.शशांक बाबु के कितने बच्चे थे और उनका नाम क्या था?
२.कौन शांत और कौन दुष्ट था?
३.रामु क्यों इस प्रकार का काम किया था?
४.रामु किस वृक्ष को उजाड़कर बाहर फेंक दिया?
५. रामु के बात सुनकर शशांक बाबु उसे उसे क्या कहते हैं?
६.भारत की शान किस प्रकार बढ़ेगा?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सारांश

प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद जी ने भारत की ग्रामीण व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण परिवेश व दो दोस्तों की गहरी मित्रता का वर्णन किया है। इस कहानी के मुख्य पात्र अलगू चौधरी और उनके दोस्त जुम्मन शेख हैं। जुम्मन शेख की एक विधवा मौसी है जो अकेली, असहाय व बूढ़ी हैं। उसने जुम्मन शेख पर विश्वास करके अपने चारों खेत उसके नाम इस कारण से कर दिए थे कि वह जीवन भर भोजन-वस्त्र व उसकी ज़रूरतें पूरी करता रहेगा। कुछ समय तक सब कुछ ठीक चला लेकिन अचानक जुम्मन शेख व उनकी पत्नी के व्यवहार में बदलाव आ गया। वे दोनों

बात–बात पर उनका अपमान करने लगे। उनकी मौसी ने इस प्रकार के व्यवहार होने पर अपने लिए अलग रुपयों की माँग की ताकि उनसे अलग रहकर वे सम्मान की ज़िंदगी गुजार सके। जुम्मन शेख अपने वायदे से मुकर जाता है, तब उनकी मौसी गाँव में पंचायत बैठाती है और सबके सम्मुख अपनी दर्दभरी व्यथा कहती है। वह अलगू चौधरी को यह जानते हुए भी सरपंच चुनती है कि वह जुम्मन शेख का मित्र है, लेकिन उसे पंचायत के निर्णय पर विश्वास है कि निर्णय सुनाते समय पंच के मुख से परमेश्वर बोलता है उस समय मित्रता–शत्रुता का भेद नहीं रहता।

मौसी के विश्वास की जीत होती है और पंचायत जुम्मन शेख को हर माह रुपए देने का हुक्म सुनाती है।

उसी गाँव में दूसरी घटना तब घटती है जब अलगू चौधरी ने अपना एक बैल समझू साहू को बेचा था। समझू साहू ने बैल से खूब काम लिया था, बैल की ठीक से देखभाल नहीं की, चारे व पानी के अभाव में वह चल बसता है और अब समझू साहू अलगू चौधरी को बैल के दाम देने से मना कर देता है। अब अलगू चौधरी ने समझू साहू के विपक्ष में पंचायत बैठाई और जान–बूझकर समझू साहू ने जुम्मन शेख को सरपंच चुना ताकि निर्णय उसके पक्ष में हो, लेकिन जुम्मन शेख पंच बनकर बैठते ही अपनी दुश्मनी को भूल जाते हैं और दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद निष्पक्ष निर्णय देते हैं कि समझू साहू को बैल की पूरी कीमत देनी होगी।

जुम्मन शेख के निर्णय को सुनते ही ग्रामवासी हर्षित हो जाते हैं, वे भाव–विभोर होकर पंच परमेश्वर की जय के नारे लगाते हैं, दोनों मित्र फिर से एक हो जाते हैं, आपस में गले मिलते हैं और गाँव की ओर चले जाते हैं।

इस प्रकार से इस कहानी का अंत सुखद व प्रभावशाली होता है।

सामान्य उद्देश्य-

मनुष्यों में विवेकवान, परिश्रमी तथा नैतिकता जैसे गुण होना-चाहिए। ऐसे व्यक्ति हीअच्छे नागरिक कहलाते हैं।

विशिष्ट उद्देश्य-

एक अच्छा नागरिक ही अच्छा भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। छात्रों में देश के प्रति आदर सम्मान की भा् जाग्रत करना है। एक अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना।

गृह कार्य -पाठ को पढ़कर उनके कठिन शब्दों को रेखांकित करना।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP